[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

क्रो. [illegible]

[illegible]

30 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

४

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

उवाच शिवकर्त्रा नागकर्त्रा सोमसूर्याग्नि
सकलकः सर्वेये भूतये गणे शिवम
ग उक्त्वा वस ॥ उवाच ॥ नमस्ते चन्द्रार्कय
सांस्तव सत्तुवाय स वेवभूतयकलाय
सवपालकाय स नन्दभूतयकी
लाय प्रपन्न पाभिक्षिते हंकेसराय
सीमाय सितपुष्पवेनमः पासनसुत
प्रलुय पेतापिपतयेनमः उवाच पुष्प
गैसिमधगल्प उन्नकेउयं पुष्पमकं कर्त
हके पूठमंस उवाच संगिकमुमः
उवाच । सहानिमव दीजाति हामभू
स्रामिस उलिमवाति स्रूतं पिपशि
गैस्य मनक्षानिव वृतः भृतरटमति
१. मदंभमस्त्र गरुत्र भूवाणभूमभाङ्गि:
उपशरु स्नायनेव उषाते लोकपालकः
३० उवाच । सिध उमभुख नाणा किनाग
पचउनयः विहपण सपलेम भतये
हे वृतउमः सपुत्रियः समनुरस रामुत

हिरण्मये सिवठत्कन्ध्ये हिरण्मये तस्मिन्
ब्रह्म ब्रह्मपुरमुख पद्मये निहितं सदः
तस्मिन् त्रिविष्टपे रत्ने त्रिविष्टपे सर्ववेदे
तस्मिन् [illegible] यज्ञी विष्णुदेव
सर्वान् सर्वतः संकल्पे संकल्पे
निधीनि ब्रह्म सुर्वं सर्वं सप्तद्य
[illegible] लोकं कामतः पद्मप
नि पद्मं उद्धारयामि भूः भुवः स्वः
बृहस्पति [illegible] शिव प्रजापति सप्त
ऋषीणां च गन्धर्वाणि सर्वसत्त्वानि सर्व
भूतानि सर्वदेवानि सर्वभूतानि सर्वे
रत्नानि उद्धरामि त्रिगुणं उद्धरामि ॥
पितॄणां देवानां नागाः सवित्रा ब्रह्मण
गो॰ च गिरीश्वरी ऋषीणां नि सर्वभूत
३३ नि: सर्वं ब्रह्म उद्धरामि ॥ पितृऋषि
न देवाः विष्णुदेवा ब्रह्म विष्णु शिवं
नि पद्मसमुद्राणि पृथिवीं ब्रह्म उद्धरामि ॥

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] तर्पयामि । [illegible]
तर्पयामि ॥ ब्रह्माणं प्रजापतिं स्वयंभुवं
[illegible] परमेष्ठिनं हिरण्यगर्भं [illegible]
[illegible] तर्पयामीति भूः पुरुषं भु
वः पुरुषं स्वः पुरुषं भूर्भुवःस्वः पुरु
षं भूर्लोकं भुवर्लोकं स्वर्लोकं म
हर्लोकं जनलोकं तपोलोकं ।
सत्यलोकं ऋग्वेदं यजुर्वेदं सामवेदं
[illegible] वेदं [illegible] वेदं [illegible] वेदं
[illegible] वेदं [illegible] सर्ववेदांस्तर्पयामि
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] सनकं सनत्कुमारं [illegible]
[illegible] तर्पयामि [illegible]
[illegible]
[illegible] तर्पयामीति ।

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

उल्कक · महावस्तु · कलधौ · हिमकण्ठ
उग्रं महाधारं कालीमुखं धन्य · महापद्म
नील · मेघ · सुनन्द · कुलिक · कर्कोटी भद्री
मुखी कौमारी वैष्णवी वाराही माहेन्द्री
चामुण्डी रमणी दुर्गे गायत्री [illegible]
भद्रमुखी [illegible] लोकपालश्च नागश्च
भूतश्च वेतालश्च किन्नरश्च पिशाच
श्च भयरूपश्च [illegible] कुष्माण्डश्च
[illegible] कालमानश्च कुमारश्च [illegible]
[illegible] [illegible] विद्युत्कन्दश्च [illegible]
महान्तश्च [illegible] भयश्च वैरश्च
[illegible] यक्ष · भैरव · महावाल · महाव
[illegible] [illegible] नकृत्यं ।
१०· नकाङ्क्षति [illegible] [illegible] म
९८ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

अधुतं ३ मन्त्रोत्तम भवतु विष्णुभुवन
कस्तूय: श्रुत्यादि ब्राह्मण मद्यु मन्तुउपधा
मा: धितमन्त्र श्रीमैत्रैकी यमापश्चिम
मैत्रैकेल ब्रह्मैणायनहूम वश्चिषुस
भगतय: भैमैनागर, तुगीत यामुद्व
पुमनुम: लिपिउमुणालिया विश्व
भितमनीमय: कण्ठेन मतव लि ।
धा०नमूममन्त्र: ठक्षमा भुपु लीलय:
धब्रिमक्षुनयश्च्य उम्बव ठवीउ
यस्मि धर्महीना मन्त्रहीना सूत्रहीना
वैलुवहीना स्वभावहीना भारहीना यज्ञ
हीना गन्धवहीना मैत्रहीना धिमाम
हीना भिशुहीना भक्तिहीना विष्णु
गो. हीना मैत्रहीना गन्धहीना योगहीना
१५ ज्ञानहीना मचत भित्तहीना ठधिदेवता
ठधिनतुर्गति ठधिस्कन्धंभि ठधिपुरुना
ठधिपत्नी: त्रुपमुमं मत्तमाङ्गं हितम

15

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ।
[illegible]
गो. वसुरूपान् [illegible] रुद्ररूपान् आदित्यरूपान् ।
पितरः पितामहान् प्रपितामहान्
मातृः पितामही प्रपितामही माता
महान् प्रमातामहान् वृद्धप्रमातामहान्

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

।अत्रये कपिलिने वकुलपाय कणाय कहूय
बभ्रुकाय मथाय बधरुणाय भुवलाय गर्गा
ड्याय डभुल्याय दधिवालाय भनक्षिलाय नुहू
काय पत्रकाय कुल्लिकाय १ उलाय चुल्ला
य भुवलाय विडलाय उलडलाय गर्गा
डलाय धार्तलाय मरीचये चेइयाय ।
नांगिरसे पुलस्त्याय पुलहाय कतुपाय
गोतमाय वसिष्ठाय वसिधुय नारदाय विष्णु
वे मनवे सूवनाय संवर्ताय वैशम्पायनाय
जमदग्नये मरुत्ताय लिखिताय मार्कण्डेयाय
पराशराय शङ्खाय सनकाय यमाय सुप
र्णाय सेवलाय वृकाय वेण्याय ह
भाय स्वमसुताय कपालभाय विश्वा
मित्राय दधिमज्ञाय कौशिकाय पत्नु
प वज्राय मनाकन पुरुधाय चूर्णभूय
मेखलाय सुनलाकुलाय सुनाय सुर
भक्षाय दधीताय कण्ठयकाय रुद्रलाय
पण्डिताय मप्रवे याज्ञवल्क्याय ।

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
8 [illegible]
37 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]